भाषा और साक्षरता

स्थानीय संसाधनों का उपयोग करना

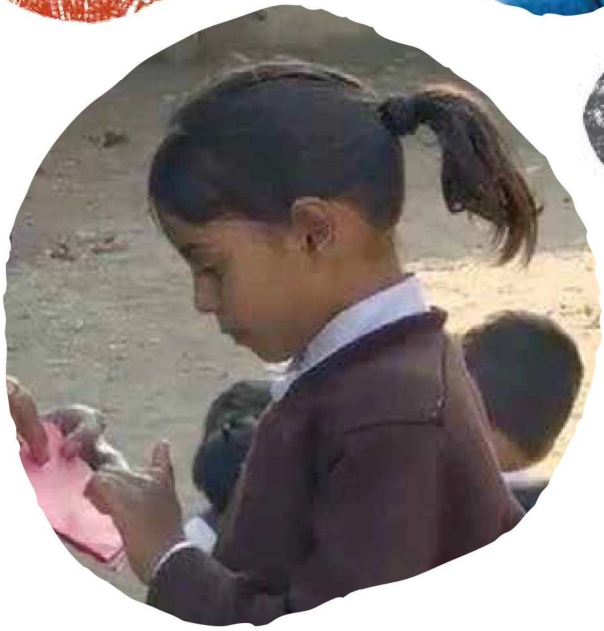

भारत में विद्यालय आधारित समर्थन के माध्यम से शिक्षक शिक्षा

www.TESS-India.edu.in

http://creativecommons.org/licenses/

TESS-India (स्कूल-आधारित समर्थन के ज़रिए अध्यापकों की शिक्षा) का उद्देश्य है छात्र-केंद्रित, सहभागी दृष्टिकोणों के विकास में शिक्षकों की सहायता के लिए मुक्त शिक्षा संसाधनों (OER) के प्रावधानों के माध्यम से भारत में प्रारंभिक और माध्यमिक शिक्षकों की कक्षा परिपाटियों में सुधार लाना। TESS-India OER शिक्षकों को स्कूल की पाठ्यपुस्तक के लिए सहायक पुस्तिका प्रदान करते हैं। वे शिक्षकों के लिए अपनी कक्षाओं में अपने छात्रों के साथ प्रयोग करने के लिए गतिविधियाँ प्रदान करते हैं, जिनमें यह दर्शाने वाले वृत्त-अध्ययन भी शामिल रहते हैं कि अन्य शिक्षकों द्वारा उस विषय को कैसे पढ़ाया गया, और उनमें शिक्षकों के लिए अपनी पाठ योजनाएँ तैयार करने के लिए तथा विषय संबंधी ज्ञान के विकास में सहायक संसाधन भी जुड़े रहते हैं।

TESS-India OER को भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल भारतीय तथा अंतर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार किया गया है और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट उपयोग के लिए उपलब्ध हैं (http://www.tess-india.edu.in)। OER भाग लेने वाले प्रत्येक भारतीय राज्य के लिए उपयुक्त, कई संस्करणों में उपलब्ध हैं और उपयोगकर्ताओं को इन्हें अपनाने तथा अपनी स्थानीय जरूरतों एवं संदर्भों की पूर्ति के लिए उनका अनुकूलन करने के लिए और स्थानीयकरण करने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

TESS-India मुक्त विश्वविद्यालय, ब्रिटेन के नेतृत्व में तथा ब्रिटेन की सरकार द्वारा वित्त-पोषित है।

वीडियो संसाधन

इस इकाई में कुछ गतिविधियों के साथ निम्नलिखित आइकॉन दिया गया है: *. यह दर्शाता है कि आपको विशिष्ट शैक्षणिक थीम के लिए TESS-India के वीडियो संसाधनों को देखने में इससे मदद मिलेगी।*

TESS-India के वीडियो संसाधन भारत में विभिन्न प्रकार की कक्षाओं के संदर्भ में प्रमुख शैक्षणिक तकनीकों का सचित्र वर्णन करते हैं। हमें उम्मीद है कि वे आपको इसी तरह के अभ्यासों के साथ प्रयोग करने के लिए प्रेरित करेंगे। इन्हें पाठ-आधारित इकाइयों के माध्यम से आपके कार्य अनुभव में इज़ाफ़ा करने और बढ़ाने के लिए रखा गया है, लेकिन अगर आप उन तक पहुँच बनाने में असमर्थ रहते हैं तो बता दें कि वे उनके साथ एकीकृत नहीं हैं।

TESS-India के वीडियो संसाधनों को TESS-India की वेबसाइट (http://www.tess-india.edu.in/) पर ऑनलाइन देखा सकता है या डाउनलोड किया जा सकता है। विकल्प के तौर पर, आप इन वीडियो तक सीडी या मेमोरी कार्ड द्वारा भी पहुँच बना सकते हैं।

संस्करण 2.0 LL10v1
All India - Hindi

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है: http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/
TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

यह इकाई किस विषय में है

इस यूनिट में आप भाषा और साक्षरता की कक्षा में पाठ्यपुस्तक की पूरक के रूप में आसानी से उपलब्ध स्थानीय संसाधनों के उपयोग को जानने का प्रयास करेंगे। चाहे उसमें परिवेश में लेखन का परीक्षण करना, समुदाय के सदस्यों को सुनना और उनसे बातचीत करना शामिल हो, या चर्चा के लिए एक संकेत के रूप में इलाक़े का उपयोग करना हो, ऐसे संसाधनों का लाभ यह है कि वे प्रामाणिक भाषा के प्रयोग का प्रतिनिधित्व और उसे उत्पन्न करते हैं।

आप इस इकाई में क्या सीख सकते हैं

- भाषा जागरूकता संबंधी गतिविधियों के आधार के रूप में निःशुल्क उपलब्ध प्रिंट-आधारित सामग्री का उपयोग किस प्रकार किया जाए।
- अतिथि वक्ता पर आधारित पाठों की श्रंखला व योजना किस प्रकार तैयार की जाए।
- किस प्रकार आपके छात्रों की भाषा और साक्षरता कौशल को विकसित करने के लिए उनकी स्कूल की यात्रा को एक संसाधन के रूप में उपयोग किया जाए।

यह दृष्टिकोण क्यों महत्वपूर्ण है

छात्र उस समय सबसे अच्छा सीखते हैं, जब वे अपने दैनिक जीवन से संबंधित व्यावहारिक, उद्देश्यपूर्ण गतिविधियों में संलग्न हों। वे कक्षा के अंदर और बाहर, दोनों जगह, उनके विवेक और जिज्ञासा को आकर्षित करने वाले विभिन्न उत्तेजनाओं पर अच्छी तरह प्रतिक्रिया करते हैं। स्कूल की पाठ्यपुस्तक इस प्रकार विस्तृत शैक्षिक अवसरों की उपलब्ध नहीं कर सकती है, इसलिए उसे अतिरिक्त अनुपूरक गतिविधियों से पूरा करना महत्वपूर्ण है। यह यूनिट दर्शाता है कि स्थानीय परिवेश में उपलब्ध प्रामाणिक संसाधनों की आपूर्ति से ग्रहण करते हुए किस प्रकार ऐसा किया जा सकता है।

संसाधन 1, 'स्थानीय संसाधनों का उपयोग' पढ़ते हुए शुरुआत करें।

वीडियो: स्थानीय संसाधनों का उपयोग

1 प्रिंट-आधारित स्थानीय संसाधन

आप अपनी भाषा की कक्षा में सुधार के लिए प्रिंट-आधारित स्थानीय संसाधनों के उपयोग के तरीक़ों पर विचार करते हुए इसकी शुरुआत करेंगे।

केस स्टडी 1: भाषा और साक्षरता कक्षा में खाद्य सामग्री की पैकेजिंग का उपयोग

श्री देव, उत्तर प्रदेश के एक प्राथमिक शिक्षक वर्णन करते हैं कि वे अपनी छठी कक्षा के छात्रों के बीच भाषा के बारे में जागरूकता विकसित करने के लिए किस प्रकार खाद्य सामग्री की पैकेजिंग का उपयोग करते हैं।

पाठ्यपुस्तकों के अतिरिक्त, मेरी कक्षा में मेरे पास बहुत कम संसाधन हैं। पिछले वर्ष मैंने महसूस किया कि फुड पैकेटों पर नारे, सामग्री की सूची और निर्देश भी भाषा-आधारित गतिविधियों में काम आ सकते हैं।

इसलिए मैंने ख़ाली, साफ़ भोजन के डिब्बे और कार्टन तथा कैन एकत्रित करना शुरू किया, और मेरे रिश्तेदार एवं पड़ोसियों से भी मेरे लिए उन्हें सँभाल कर रखने को कहा। कई सचित्र पैकेज रंगीन शब्दों, वाक्यांशों और चित्रों से सुसज्जित थे [चित्र 1]।

चित्र 1 फ़ुड पैकेजिंग पर लेखन के उदाहरण।

मैं कक्षा में पैकेजिंग ले आया और अपने छात्रों को दिखाने के लिए उनमें से एक का चयन किया। यह एक मैंगो ड्रिंक का कार्टन था। मेरे कई छात्रों ने उसे पहचान लिया, क्योंकि वे स्वयं उसे पीते थे।

मैंने छात्रों से पूछा कि उनके विचार में उसमें कौन-सी सामग्रियाँ शामिल थीं। मैंने एक को स्वेच्छा से सामग्रियों को ज़ोर से पढ़ कर सुनाने के लिए बुलाया: 'पानी, आम, चीनी, कृत्रमि सुगंध, परिरक्षक'। मैंने एक और छात्र से सामने छपे नारे को पढ़ कर सुनाने के लिए कहा, 'अच्छे स्वास्थ्य के लिए'। हमने सामग्रियों पर चर्चा की और विचार किया कि क्या वे स्वास्थ्य के लिए उतने ही लाभदायक हैं जितना कि नारे में दावा किया गया है।

हमने कार्टन पर मौजूद अन्य लेखन पर भी नज़र डाली। एक निर्देश मौजूद था कि ड्रिंक को ठंडा परोसा जाए, और अनुरोध किया गया था कि कार्टन को सावधानीपूर्वक समाप्त किया जाए। मैंने मुख्य शब्द और वाक्यांश ब्लैक-बोर्ड पर लिखे।

इसके बाद, मैंने अपने छात्रों से पूछा कि क्या उन्हें याद है कि विशेषण क्या है। ब्लैक-बोर्ड पर लिखे शब्दों में से, मैंने उन्हें पैकेजिंग के कुछ उदाहरणों को पहचानने में मदद की (जैसे कि 'अच्छा', 'कृत्रिम' और 'ठंडा')। मैंने अपनी कक्षा में मौजूद अतिरिक्त भाषा बोलने वालों से पूछा कि वे अपनी मातृभाषा में इन विशेषणों को क्या कहते हैं।

इसके बाद मैंने अपने छात्रों को तीन या चार के समूहों में व्यवस्थित किया और उन्हें दिए गए पैकेट या कार्टन का परीक्षण करने, तथा मुख्य शब्दों और वाक्यांशों को लिख लेने, उनके अर्थ पर चर्चा करने, एवं उनमें से किन्हीं विशेषणों को पहचानने के लिए कहा।

हमने पूरी कक्षा के साथ मूल्याकंन सत्र समाप्त किया, जिसमें प्रत्येक समूह ने उन्हें दिये गए पैकेजिंग में मौजूद विशेषणों को ज़ोर से सुनाया। मैंने ब्लैक-बोर्ड पर इन्हें सूचीबद्ध किया, जिससे सभी इसे लिख ले। एक या दो उदाहरण, जो वस्तुतः विशेषण नहीं थे, उन्होंने स्पष्ट करने में मदद की।

उसके बाद से मैंने समूहों के बीच पैकेजिंग के पुनर्वितरण के साथ इस गतिविधि को दोहराया। लेकिन, एक अवसर पर मैंने अपने छात्रों को क्रिया पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा, और दूसरे अवसर पर संज्ञा पर। प्रत्येक मामले में, मैंने छात्र समूहों को उन्हें आबंटित पैकेटों पर उदाहरण ढूँढ़ने से पहले, मैंगो ड्रिंक पैकेजिंग से इन शब्द स्वरूपों के उदाहरण पूछना शुरू किया।

फ़ीडबैक सत्र छात्रों की भाषा संबंधी अवधारणा को स्पष्ट करने में बहुत ही रोचक सिद्व हुआ। उदाहरण के लिए, क्रिया के मामले में, हमने देखा कि इन्होंने अक्सर आज्ञार्थक स्वरूप ग्रहण किया (जैसे कि 'परोसें' और 'निपटाएँ')। संज्ञा के मामले में, हमने देखा कि कुछ एकवचन थे ('कार्टन'), कुछ बहुवचन ('सामग्रियाँ'), कुछ ठोस और मूर्त ('चीनी' या 'पानी') थे, और कुछ अमूर्त ('स्वास्थ्य')।

अब भी, मेरे छात्र कभी-कभी उन्हें घर पर मौजूद फ़ुड पैकेजिंग पर मिलने वाले विशेषण, क्रिया या संज्ञा के उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

विचार के लिए रुकें

- श्री देव की गतिविधि में भाषा शिक्षण के कौन-से अवसर शामिल थे?
- आप इसे अपने छात्रों के अनुकूल किस प्रकार रूपांतरित या विस्तृत कर सकते हैं?
- अन्य किस प्रकार के प्रिंट-आधारित संसाधन ऐसी गतिविधि में सहायक हो सकते हैं?

इस गतिविधि में, छात्रों ने फुड पैकेजिंग पर सामग्रियों के रूप में सूचीबद्ध शब्दों (अर्थात संज्ञा) और पैकेजिंग पर मौजूद वर्णनात्मक शब्दों (अर्थात विशेषण) के बारे में बात की। आप अपने छात्रों से उनके पसंदीदा खाद्य-पदार्थ के लिए स्वयं अपने व्यंजन विधि या नारे लिखने के लिए कह सकते हैं। इस प्रकार की गतिविधियों के लिए ऐसे कई अन्य संसाधन हैं, जिनका आप उपयोग कर सकते हैं – उदाहरण के लिए, बस शेड्यूल, सिनेमा टिकट, या पत्रिका में प्रकाशित विज्ञापन।

गतिविधि 1: अपने छात्रों के साथ प्रिंट-आधारित संसाधनों का उपयोग

आप अपने हिन्दी पाठ्यपुस्तक में जिस विषय को पढ़ाने जा रहे हैं, उसके भाषा पहलूओं पर पहले से नज़र डालें। विचार करें कि आप किस प्रकार स्थानीय परिवेश उपलब्ध प्रिंट-आधारित संसाधनों से ग्रहण करते हुए इसकी पूर्ति कर सकते हैं। अपने छात्रों के लिए उसकी उपयुक्तता और उन्हें एकत्रित करने की आसानी पर विचार करें। उदाहरण के लिए, फुड पैकेजिंग के विकल्पों में शामिल हैं पत्रिकाएँ, उत्पाद और प्रक्रियाओं के लिए निर्देश और स्थानीय कार्यक्रम की घोषणा करने वाले सूचना-पत्र।

छात्रों के समूहों में वितरित करने के लिए पर्याप्त मात्रा में नमूने एकत्रित करें। यह सुनिश्चित करने के लिए सामग्री की जाँच करें कि उसमें भाषा संबंधी उपयुक्त उदाहरण मौजूद हैं, जिन पर आप ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं।

समय-सीमा के साथ, अपने पाठ के विभिन्न भागों को रेखांकित करें। ध्यान रहे कि आपको बाद में किसी दिन विस्तार गतिविधियाँ संचालित करने की ज़रूरत पड़ सकती है।

विचार के लिए रुकें

इस गतिविधि को आज़माने के बाद, विचार करें कि वह किस प्रकार संपन्न हुआ।

- पाठ में किस प्रकार का भाषा शिक्षण हासिल किया गया?
- आप किस हद तक अपने छात्रों के बोलने, सुनने, पढ़ने और लिखने के कौशल पर निगरानी रखने और उसका आकलन करने में सक्षम रहे?

2 बातचीत पर आधारित स्थानीय संसाधन

आपका क्षेत्र भी आपको चर्चा पर आधारित संसाधन उपलब्ध की पेशकश कराता है, जो आपके छात्रों के शिक्षण में योगदान दे सकते हैं।

केस स्टडी 2: एक कपास बुनकर का दौरा

सुश्री हीना, उत्तर प्रदेश की प्राथमिक शिक्षिका, एक अतिथि वक्ता के दौरे का वर्णन करती है, जो उन्होंने अपनी चौथी कक्षा के छात्रों के लिए आयोजित किया था।

पाठ्यपुस्तक के जिन अध्यायों को हम पढ़ा रहे थे, उनमें से एक कपास उगाने के विषय पर था। हमारे गाँव में बुनाई और छपाई करने वाले कारीगरों का समूह है। मैंने सोचा कि कक्षा में हमारे छात्रों के समक्ष अपनी कला के बारे में बातचीत करने के लिए उनमें से एक को आमंत्रित करना दिलचस्प हो सकता है।

एक दिन, स्कूल के बाद, मैं उस समूह के पास गई और उनके प्रधान बुनकर, श्री अरुण से अपने विचार पर चर्चा की [चित्र 2]। उन्होंने सहर्ष निमंत्रण स्वीकार किया। मैंने उन्हें अपने छात्रों की उम्र बताते हुए, उन चीज़ों के बारे में बताया, जिनमें उनकी दिलचस्पी हो सकती है। मैंने सुझाव दिया कि वे अपने साथ कपड़ों के विभिन्न नमूने, विभिन्न रंग के रंजक या डाई, और शटल जैसे कुछ छोटे करघा-संबंधित चीज़ें ले आएँ, ताकि भाषण के दौरान वे उन्हें प्रदर्शित कर सकें।

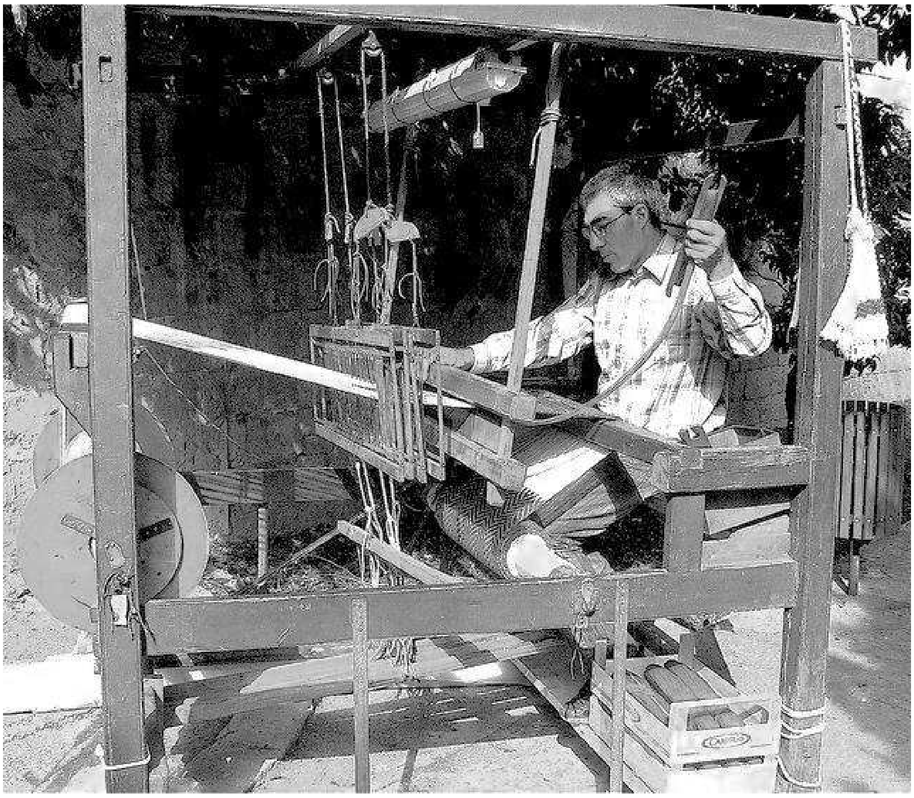

चित्र 2 एक बुनकर।

फिर मैंने अपने छात्रों को श्री अरुण के आगामी दौरे के बारे में सूचित किया। वे बहुत उत्साहित थे। उस दौरे की तैयारी के लिए, मैंने अपने विद्यार्थियों को चार के समूहों में व्यवस्थित किया और उन्हें श्री अरुण से उनके कार्य के बारे में पूछे जाने वाले कोई दो प्रश्न सोचने और अपनी अभ्यास पुस्तिका में लिखने को कहा। मैंने देखा कि मेरे छात्र इस गतिविधि के दौरान बहुत बातूनी हो गए थे। यह चर्चा प्रश्नों पर सहमति तक ही सीमित नहीं थी, बल्कि इसमें प्रश्नों को अच्छी तरह लिखने पर विचार-विमर्श भी शामिल था।

जब उनका यह काम ख़त्म हुआ, तो मैंने समूहों से किसी एक ऐसे सदस्य को नामांकित करने के लिए कहा, जो कक्षा के साथ अपने प्रस्तावित प्रश्नों को साझा करेगा। स्वयं उन प्रश्नों को ब्लैक-बोर्ड पर लिखने के बजाय, मैंने उनसे पूछा कि क्या कोई यह काम करना चाहेगा। कई लोगों ने लिखने की इच्छा व्यक्त की!
मैं अपने भावी पाठों में इस कार्य को दूसरों द्वारा करवाने के अवसर शामिल करने की कोशिश करूँगी।

फ़ीडबैक सत्र के अंत में, हमारे पास संभावित प्रश्नों की लंबी सूची तैयार थी। साथ मिल कर, हमने एक जैसे प्रश्नों को पहचाना और उन्हें काट दिया तथा शेष आठ को उपयुक्त क्रम में व्यवस्थित किया। अंत में, मैंने अपने छात्रों को प्रश्नों की अंतिम सूची अपनी कॉपी में लिखने को कहा।

मेरे कुछ छात्र श्री अरुण से प्रश्न पूछने के लिए काफ़ी उत्सुक थे; और कुछ सवाल करने से हिचकिचा रहे थे। किन्ही विशेष छात्रों को प्रश्न आबंटित करने के बजाय, मैंने सुझाव दिया कि वे सब तैयारी करके आएँ कि श्री अरुण अगले दिन अपने दौरे के समय स्वयं उनसे कोई भी प्रश्न पूछें। मेरे छात्रों ने उस शाम अपने गृह-कार्य को बहुत ही गंभीरता से लिया।

श्री अरुण का दौरा बहुत सफल सिद्ध हुआ। उन्होंने बुनाई और छपाई के कार्य के परिचय से शुरुआत की, जहाँ वस्त्रों के नमूने दिखाए और मेरे छात्रों को अपने औजार हाथ में लेने दिया। फिर उन्होंने बेतरतीब ढंग से छात्रों को प्रश्न पूछने के लिए आमंत्रित किया – कुछ जो बेहद आश्वस्त थे, और कुछ जो आश्वस्त नहीं थे। क्योंकि उन्होंने अपने परिचयात्मक प्रस्तुति के दौरान ही कुछ प्रत्याशित प्रश्नों का पहले ही जवाब दे दिया था, इसलिए मेरे छात्रों द्वारा तैयार किए गए कुछ प्रश्न अब उपयुक्त नहीं थे। इसकी जगह एक या दो छात्रों ने ऐसे सवाल किए, जिनके बारे में पहले सोचा नहीं गया था।

विचार के लिए रुकें

- किस प्रकार का भाषा शिक्षण हासिल किया गया:
  - श्री अरुण के दौरे की तैयारी में?
  - उनके दौरे के समय?
- क्या इससे कोई फ़र्क पड़ा कि छात्रों द्वारा तैयार किए गए कुछ प्रश्न अब प्रासंगिक नहीं रहे?

स्थानीय और विस्तृत समुदाय में ऐसे कई लोग हैं जिन्हें आप अपने छात्रों को उनके ज्ञान, कौशल और अनुभव के बारे में चर्चा के लिए आमंत्रित कर सकते हैं – विशेष रूप से ऐसे लोग जो कक्षा में आपके द्वारा पढ़ाए जाने वाले विषयों से जुड़े हों।

उदाहरण के लिए, स्थानीय सरकार या पुलिस बल के सदस्य, जिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आस-पास की दुकानों या बाज़ार के शिल्पी, मेकानिक, कारीगर, संगीतकार, किसान या रसोइयों को आमंत्रित करने पर विचार करें।

माता-पिता या दादा-दादी भी काफ़ी योगदान दे सकते हैं। अतीत के बारे में उन्हें जो याद है, उसकी चर्चा करते हुए, वे छात्रों को क्षेत्र के इतिहास और संस्कृति पर बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान कर सकते हैं।

सुझाव और संपर्कों के लिए अपने सहकर्मियों से भी पूछें।

गतिविधि 2: अपनी कक्षा में अतिथि वक्ता को आमंत्रित करना

कक्षा में किसी स्थानीय समुदाय के सदस्य के दौरे की योजना तैयार करें। वक्ता को आमंत्रित करने के लिए उनसे व्यक्तिगत रूप से, फ़ोन द्वारा या लिखित रूप में संपर्क करें। अगर वे सहमत हो जाते हैं, तो अपने छात्रों को दिलचस्प लगने वाली चीज़ों के बारे में अधिक विस्तृत चर्चा सहित इसका अनुवर्तन करें। परस्पर सहमति से दौरे का दिनांक निश्चित करें।

अपने छात्रों को अतिथि वक्ता द्वारा स्कूल के दौरे के बारे में जानकारी दें और उन्हें कुछ प्रश्न तैयार करने के लिए समय दें, जिनका वे जवाब जानना चाहेंगे (केस स्टडी 2 देखें)

अतिथि वक्ता के दौरे के उपयोगी अनुवर्तन में आगे संचालन योग्य गतिविधियों के बारे में सोचे। उदाहरण के लिए, आप किस प्रकार अपने छात्रों द्वारा वक्ता के पेशे से संबंधित किसी नई शब्दावली के शिक्षण को सुदृढ़ कर सकते हैं?

सुनिश्चित करें कि आपके छात्र बाद में अतिथि वक्ता को धन्यवाद पत्र लिखें।

विचार के लिए रुकें

- अतिथि वक्ता के दौरे के परिणामस्वरूप किस प्रकार के शैक्षिक अवसर उत्पन्न हुए?
- दौरे के बाद आप अपने छात्रों के साथ किस प्रकार की अनुवर्ती गतिविधियों का संचालन कर सकते हैं?

इस प्रकार के दौरों के बाद व्यक्तिगत या सामूहिक लेखन कार्य दे सकते हैं। आपके छात्र अपनी अभ्यास पुस्तिकाओं में दौरे के बारे में सचित्र वर्णन कर सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, वे अपने कार्य के बारे में एकत्रित जानकारी के आधार पर, अतिथि वक्ता के 'जीवन का एक दिन' वर्णित कर सकते हैं। ऐसे आगंतुकों के मामले में जिन्होंने अतीत के जीवन पर बात की, छात्र वर्तमान के साथ उसकी तुलना करते हुए विवरणात्मक लेख लिख सकते हैं।

कक्षा में अतिथि वक्ता के विकल्प या अनुवर्तन के रूप में, उम्र में बड़े छात्रों को इलाक़े में साक्षात्कार के लिए उपलब्ध समुदाय के समदस्यों को पहचानने, यदि उपलब्ध हो, तो मोबाइल फ़ोन या अन्य उपकरण पर इस प्रकार की आकस्मिक भेंट की ऑडियो रिकॉर्डिंग करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। कई क़िस्म के पूरक व्यक्तियों के छोटे-सामूहिक साक्षात्कारों की शृंखला से उत्तर संयोजित करते हुए, आपके छात्र विभिन्न दृष्टिकोणों से स्थानीय मुद्दे पर विचार करते हुए कक्षा प्रॉजेक्ट संबंधी लेख लिख सकते हैं। आप किसी स्थानीय अख़बार से भी यह जानने के लिए संपर्क कर सकते हैं कि क्या वे छात्रों के कुछ इस प्रकार के कार्यों को प्रकाशित करने पर विचार करना चाहेंगे।

छात्र भूमिका अभिनय द्वारा अतिथि के दौरों या साक्षात्कार का अनुवर्तन भी कर सकते हैं। जोड़े में काम करते हुए, एक व्यक्ति साक्षात्कारकर्ता की भूमिका निभा सकता है, और अन्य उस व्यक्ति का, जिसका साक्षात्कार लिया जा रहा हो। भूमिका अभिनय का मंचन बिना तैयारी के या पहले से लिख कर किया जा सकता है।
वे सहपाठियों के लिए या स्कूल के अन्य कक्षाओं के लिए प्रदर्शित किए जा सकते हैं। जहाँ सुविधाएँ हों वहां फ़ोटो, ऑडियो रिकॉर्डिंग या वीडियो रिकॉर्डिंग इन छात्रों के प्रदर्शन को कैप्चर करने का बेहतरीन तरीक़ा है।

भूमिका अभिनय पर अधिक जानकारी के लिए, प्रमुख संसाधन 'कहानी सुनाना, गाने, भूमिका अभिनय और नाटक' पढ़ें।

वीडियो: कहानी सुनाना, गाने, नाटिका और नाटक

विचार के लिए रुकें

ऊपर प्रस्तावित अनुवर्ती गतिविधियों पर विचार करें।

- प्रत्येक के लिए, 'S', 'L', 'R' और 'W' शब्दों से संकेत दें कि क्या उनमें बोलना (speaking), सुनना (listening), पढ़ना या लिखना (reading या writing), इन कौशलों का संयोजन शामिल है।
- वे अन्य कौन-से कौशल शामिल करते हैं?

3 स्कूल के आस-पास स्थानीय संसाधन

आप स्कूल के आस-पास के परिवेश में कई भाषा और साक्षरता से संबंधित शिक्षण अवसर पा सकते हैं।

केस स्टडी 2: स्कूल की यात्रा

श्री मणिक, मयूरभंज के एक प्राथमिक स्कूल शिक्षक, चौथी और पाँचवी कक्षा को पढ़ाते हैं। यहाँ वे वर्णित करते हैं कि उन्होंने किस प्रकार अपनी कक्षा में बातचीत से संबंधित गतिविधि के आधार के रूप में अपने छात्रों की स्कूल यात्रा का उपयोग किया।

मैंने स्वयं अपनी स्कूल की नियमित यात्रा के बारे में छात्रों को बताते हुए विषय का परिचय करवाया। मैंने पिछली शाम को कुछ नोट्स तैयार किए और मैं क्या कहूँगा इसका अभ्यास किया, ताकि सुनिश्चित हो सके कि उसमें अनेक रोचक जानकारी शामिल हो। मैंने जहाँ तक संभव हो, भावाभिव्यक्ति के साथ बीच-बीच में रुकते हुए और यह देखते हुए कि छात्र मेरी बातों को समझ रहे हैं या नहीं, धीमे और स्पष्ट रूप से बात की।

मैंने उल्लेख किया कि मैं कहाँ से शुरुआत करता था, मैं घर से कितने बजे निकलता था, सामान्यतः सफ़र में कितना समय लगता था, उसमें किस प्रकार के यातायात के साधन शामिल थे, मैं किन स्थल-चिह्न या लैंडमार्क को पार करता था, मुझे रास्ते में क्या आकर्षक लगता था, मैं किन्हें अक्सर देखा करता था, मैं आम तौर पर किनसे बातचीत करता था और अपनी बातचीत में मैं किस भाषा का प्रयोग करता था। मैंने अपनी यात्रा में विभिन्न प्रकार के यातायात उपयोग और दृश्यों में परिवर्तन जैसे बदलते मौसम के प्रभाव के बारे में बातचीत करते हुए समापन किया।

मैंने छात्रों से स्कूल के उनके सफ़र के बारे में एक या दो बातें पूछते हुए इसका अनुवर्तन किया। फिर मैंने उनसे कहा कि उनमें से हरेक अगली सुबह अपनी स्कूल के सफ़र पर विशेष रूप से ध्यान दें।

अगले दिन, मैंने कक्षा को चार के समूहों में व्यवस्थित किया और उनसे निम्नलिखित प्रश्नों का संकेतों के रूप में उपयोग करते हुए, अपने स्कूल की यात्रा के बारे में एक दूसरे को बताने के लिए कहा।

- आपकी यात्रा की शुरुआत कहाँ से हुई?
- आप किस परिवहन का उपयोग करते हैं?
- इस सफ़र में कितना समय लगता है? क्या मौसम पर निर्भर करते हुए ज़्यादा समय लग सकता है?
- रास्ते में आपकी पसंदीदा जगहें कौन-सी हैं?
- आप आम तौर पर क्या देखते हैं?
- आप किनसे बात करते हैं? आप उनसे बातचीत के लिए किस भाषा का उपयोग करते हैं?

चाहे मेरे छात्रों ने यह जानकारी अपनी मातृभाषा में साझा की या स्कूल की भाषा में, लेकिन सबके पास सुनाने के लिए बहुत कुछ था।

अंत में, एक कक्षा के रूप में, हमने स्थापित किया कि कितने छात्र सबसे दूर निवास करते हैं, उनमें से कितने लोगों ने ज़्यादा लोगों से बात की, और उनमें से कितने स्कूल के सफ़र के दौरान एक दूसरे से रास्ते में मिले।

विचार के लिए रुकें

- श्री माणिक के छात्रों को किस प्रकार सामूहिक चर्चा में व्यवस्थित किया जा सकता है?
- चर्चा के बाद आप किस प्रकार की गतिविधियों को संचालित करने पर विचार कर सकते हैं?

समूहों को एकसमान जगहों पर रहने वाले, या साथ सफ़र करने वाले, या मिश्रित समूहों में व्यवस्थित किया जा सकता है।

सुझाई गई अनुवर्ती गतिविधियों में निम्न शामिल हो सकती हैं:

- छात्रों द्वारा अपने रास्ते में देखी गई किसी चीज़ का चित्र बनाना
- अपनी यात्रा का सचित्र और वर्णन करना
- अपनी यात्रा का विवरण लिखना
- अपनी यात्रा के बारे में एक कविता लिखना
- कक्षा में मौजूद छात्रों के स्कूली सफ़र के बीच अंतर और समानताओं का मूल्यांकन करते हुए वर्ग परियोजना पर काम करना

आप इस गतिविधि को कुछ सप्ताह या महीने बाद पुनः संचालित कर सकते हैं और छात्रों से पूछ सकते हैं कि उनके सफ़र में क्या परिवर्तन आया है। हो सकता है कि सड़क में सुधार हुआ हो, नई इमारतों का निर्माण हुआ हो या जिन लोगों से वे मिलते हैं वे बदल गए हों। इसके अतिरिक्त, उदाहरण के लिए, संभव है फसलें काटी गई हों, मौसम के कुछ फल दिख रहे हों या रास्ते का कोई हिस्सा बह गया हो।

4 सारांश

इस यूनिट ने प्रदर्शित किया है कि किस प्रकार आसानी से उपलब्ध संसाधनों से ग्रहण करना आपके स्कूल पाठ्यपुस्तक में भाषा और साक्षरता गतिविधियों की पूर्ति करता है और उन्हें बढ़ावा देता है। ऐसे संसाधनों में प्रिंट, बोलचाल या स्थानीय स्थान शामिल हैं, क्या सभी आपके छात्रों को सुनने, बोलने, पढ़ने और सार्थक तरीक़े से लिखने को प्रेरित करने के अवसर प्रदान कर सकते हैं। समय के साथ अपनी कक्षाओं में उपयोग किए जाने वाले स्थानीय संसाधनों की मात्रा बढ़ाने से सुनिश्चित होगा कि आपके छात्र स्कूल के बाहर प्रामाणिक और सार्थक पाठ के साथ जुड़ते हैं।

संसाधन

संसाधन 1: स्थानीय संसाधनों का उपयोग करना

अध्यापन के लिए केवल पाठ्यपुस्तकों का ही नहीं – बल्कि अनेक शिक्षण संसाधनों का उपयोग किया जा सकता है। यदि आप सीखने के ऐसे तरीकों का इस्तेमाल करते हैं जिनमें विभिन्न ज्ञानेन्द्रियों (दृष्टि, श्रवण, स्पर्श, गंध) का उपयोग होता हो तो आप छात्रों की सीखने के अलग–अलग तरीकों से अच्छा तालमेल रख सकेंगे। आपके इर्दगिर्द ऐसे संसाधन उपलब्ध हैं जिनका उपयोग आप कक्षा में कर सकते हैं, और जिनसे आपके छात्रों को अधिगम में सहायता मिल सकती है। कोई भी स्कूल बिना लागत या जरा सी लागत से अपने स्वयं के शिक्षण संसाधनों को तैयार कर सकता है। इन सामग्रियों को स्थानीय स्तर पर प्राप्त करके, पाठ्यक्रम और आपके छात्रों के जीवन के बीच संबंध बनाए जा सकते हैं।

आपको अपने नजदीकी परिवेश में ऐसे लोग मिलेंगे जो विविध प्रकार के विषयों में पारंगत हैं; आपको कई प्रकार के प्राकृतिक संसाधन भी मिलेंगे। इनसे आपको स्थानीय समुदाय के साथ संबंध जोड़ने, उसके महत्व को दर्शाने, छात्रों को उनके पर्यावरण की प्रचुरता और विविधता को देखने के लिए प्रोत्साहित करने में सहायता मिलेगी, और संभवतः सबसे महत्वपूर्ण यह है कि इससे छात्र–अधिगम के प्रति एक समग्र दृष्टिकोण विकसित होने का मौका मिलता है, यानी जिसमें बच्चे स्कूल के भीतर और बाहर, दोनों जगह सीख रहे हों।

अपनी कक्षा का अधिकाधिक लाभ उठाना

लोग अपने घरों को यथासंभव आकर्षक बनाने के लिए कठिन मेहनत करते हैं। उस परिवेश के बारे में सोचना भी महत्वपूर्ण है जिसमें आप अपने बच्चों से सीखने करने की अपेक्षा करते हैं। आपकी कक्षा और स्कूल को पढ़ाई की एक आकर्षक जगह बनाने के लिए आप जो कुछ भी कर सकते हैं उसका आपके छात्रों पर सकारात्मक प्रभाव होगा। अपनी कक्षा को रोचक और आकर्षक बनाने के लिए आप बहुत कुछ कर सकते हैं – उदाहरण के लिए, आप:

- पुरानी पत्रिकाओं और पुस्तिकाओं से पोस्टर बना सकते हैं
- वर्तमान विषय से संबंधित वस्तुएं और शिल्पकृतियाँ ला सकते हैं
- अपने छात्रों के काम को प्रदर्शित कर सकते हैं
- बच्चों को उत्सुक बनाए रखने और नवीन अधिगम को प्रेरित करने के लिए कक्षा में प्रदर्शित चीजों को बदलते रहें।

अपनी कक्षा में स्थानीय विशेषज्ञों का उपयोग करना

यदि आप गणित में पैसे या परिमाणों पर काम कर रहे हैं, तो आप बाज़ार के व्यापारियों या दर्जियों को कक्षा में आमंत्रित कर सकते हैं और उन्हें यह समझाने को कह सकते हैं कि वे कैसे अपने काम में गणित का उपयोग करते हैं। वैकल्पिक रूप से, यदि आप कला के प्रकारों और आकृतियों का अध्ययन कर रहे हैं, तो आप विभिन्न आकृतियों, डिजाइनों, परंपराओं और तकनीकों का वर्णन करने के लिए मेहंदी [वैवाहिक मेहंदी] डिजायनरों को स्कूल में आमंत्रित कर सकते हैं। अतिथियों को आमंत्रित करना तब सबसे उपयोगी होता है जब हर एक व्यक्ति को यह स्पष्ट हो कि इस काम का सम्बन्ध शैक्षणिक लक्ष्यों की प्राप्ति से है और समयोचित अपेक्षाएं साझा की जा सकें।

आपके स्कूल के समुदाय के भीतर भी ऐसे विशेषज्ञ हो सकते हैं (जैसे रसोइया या केयर टेकर) जिनके साथ जाकर या जिनका साक्षात्कार लेकर छात्र कुछ सीख सकते हैं; उदाहरण के लिए, भोजन पकाने में प्रयुक्त परिमाणों का पता लगाना, या जानना कि मौसम की अवस्थाएं स्कूल के मैदानों और इमारतों को कैसे प्रभावित करती हैं।

बाह्य पर्यावरण का उपयोग करना

आपकी कक्षा के बाहर संसाधनों की एक विशाल श्रृंखला है जिनका उपयोग आप अपने पाठों में कर सकते हैं। आप पत्तों, मकड़ियों, पौधों, कीटों, पत्थरों या लकड़ी जैसी वस्तुओं को एकत्रित कर सकते हैं (या अपनी कक्षा से एकत्रित करने को कह सकते हैं)। इन संसाधनों को कक्षा में लाकर कक्षा में रोचक प्रदर्शन योग्य वस्तुएं बनाई जा सकती हैं जिनका इस्तेमाल पाठों में संदर्भ के रूप में किया जा सकता है। इनसे चर्चा या प्रयोग के लिए बिन्दु प्राप्त हो सकते हैं जैसे वर्गीकरण अथवा सजीव–निर्जीव वस्तुओं से सम्बन्धित गतिविधियां। बस की समय सारणियों या विज्ञापनों जैसे संसाधन भी आसानी से उपलब्ध हो सकते हैं जो आपके स्थानीय समुदाय के लिए प्रासंगिक हो सकते हैं – इन्हें शब्दों को पहचानने, गुणों की तुलना करने या यात्रा के समयों की गणना करने के कार्य निर्धारित करके शिक्षा के संसाधनों में बदला जा सकता है।

यद्यपि बाहर की वस्तुओं को कक्षा में लाया जा सकता है – फिर भी बाहर का पर्यावरण भी आपकी कक्षा का विस्तार-क्षेत्र हो सकता है। आम तौर पर सभी छात्रों के लिए चलने-फिरने और अधिक आसानी से देखने के लिए बाहर अधिक जगह होती है। जब आप अपनी कक्षा को शिक्षण के लिए बाहर ले जाते हैं, तब वे निम्न प्रकार की गतिविधियाँ कर सकते हैं:

- दूरियों का अनुमान लगाना और उन्हें मापना

- प्रदर्शित करना कि किसी वृत्त पर स्थित हर बिंदु केंद्रीय बिंदु से समान दूरी पर होता है
- दिन के भिन्न समयों पर परछाइयों की लंबाई रिकार्ड करना
- संकेतों और निर्देशों को पढ़ना
- साक्षात्कार और सर्वेक्षण करना
- सौर पैनलों की खोज करना
- फसल की वृद्धि और वर्षा की निगरानी करना।

बाहर, उनकी शिक्षा वास्तविकताओं और उनके अपने अनुभवों पर आधारित होती है, और अन्य संदर्भों तक भी सरलता से स्थानांतरित की जा सकती है।
यदि आपके बाहर के काम में स्कूल के परिसर को छोड़ना शामिल हो तो, जाने से पहले आपको स्कूल के मुख्याध्यापक की अनुमति लेनी चाहिए निर्धारित कर लेना चाहिए, सुरक्षा सुनिश्चित कर लेनी चाहिए और छात्रों को नियम स्पष्ट कर देने चाहिए। रवाना होने से पहले आप और आपके छात्रों को स्पष्ट होना चाहिए कि क्या सीखा जाना है।

संसाधनों का अनुकूलन करना

आप चाहें तो मौजूदा संसाधनों को अपने छात्रों के लिए अधिक अनुकूल बनाने हेतु प्रयास कर सकते हैं। ये परिवर्तन छोटे होकर भी बड़ा अंतर ला सकते हैं, विशेष तौर पर यदि आप अधिगम को कक्षा के सभी छात्रों के लिए प्रासंगिक बनाने का प्रयास कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, आप जगह और लोगों के नाम बदल सकते हैं यदि वे किसी अन्य प्रदेश से संबंधित हों, या गीत में किसी व्यक्ति का लिंग बदल सकते हैं, या किसी अलग तरह की योग्यता रखने वाले (differently abled) बच्चे को कहानी में शामिल कर सकते हैं। इस तरह से आप संसाधनों को अधिक समावेशी बनाते हुए अपनी कक्षा और शिक्षण-प्रक्रिया के उपयुक्त बना सकते हैं।
संसाधनयुक्त होने के लिए अपने सहकर्मियों के साथ काम करने से, संसाधनों के निर्माण और अनुकूलन के लिए आपके अपने बीच विविध कौशल उपलब्ध होंगे। एक सहकर्मी के पास संगीत, जबकि दूसरे के पास कठपुतलियाँ बनाने या कक्षा के बाहर के विज्ञान को नियोजित करने के कौशल हो सकते हैं। आप अपनी कक्षा में जिन संसाधनों को उपयोग करते हैं उन्हें अपने सहकर्मियों के साथ साझा कर सकते हैं । इससे आपके स्कूल के सभी क्षेत्रों में एक समृद्ध शैक्षिक वातावरण तैयार करने में सहायता मिलेगी।

अतिरिक्त संसाधन

- Gillis, C. (1991) *The Community as Classroom: Integrating School and Community Through Language Arts*. Portsmouth, NH: Boynton/Cook. This activity-filled book suggests ways that students can develop their language skills through community-based learning experiences.
- Kenner, C. (2000) *Home Pages: Literacy Links for Bilingual Children*. London: Trentham Books.
- National Council of Teachers in English (NCTE) (undated) ‘Supporting linguistically and culturally diverse learners in English education’ (online). Available from: http://www.ncte.org/cee/positions/diverselearnersinee.
- Prior, J. and Gerard, M.R. (2004) *Environmental Print in the Classroom: Meaningful Connections for Learning to Read*. Newark, DE: International Reading Association.
- Siegel, M. (2006) ‘Rereading the signs: multimodal transformations in the field of literacy education’, *Language Arts*, vol. 84, no. 1, pp. 65–77.
- Luis Moll, et al., “Funds of knowledge for teaching: Using a qualitative approach to connect homes and families,” Theory into Practice
- Moll, L.C., Amanti, C., Neff, D. and Gonzalez, N. (1992). ‘Funds of knowledge for teaching: using a qualitative approach to connect homes and classrooms’, *Theory into Practice*, no. 31, pp. 132–41.
- Azim Premji Foundation’s research studies: http://www.azimpremjifoundation.org/Research_Studies

संदर्भ/संदर्भग्रंथ सूची

Center for Ecoliteracy (undated) ‘Teach: place-based learning’ (online). Available from: http://www.ecoliteracy.org/strategies/place-based-learning (accessed 18 November 2014).

Promise of Place (undated) ‘Research & evaluation’ (online). Available from: http://www.promiseofplace.org/Research_Evaluation (accessed 18 November 2014).

अभिस्वीकृतियाँ

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है (http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/)। नीचे दी गई सामग्री मालिकाना हक की है तथा इस परियोजना के लिए लाइसेंस के अंतर्गत ही उपयोग की गई है, तथा इसका Creative Commons लाइसेंस से कोई वास्ता नहीं है। इसका अर्थ यह है कि इस सामग्री का उपयोग अननुकूलित रूप से केवल TESS-India परियोजना के भीतर किया जा सकता है और किसी भी बाद के OER संस्करणों में नहीं। इसमें TESS-India, OU और UKAID लोगो का उपयोग भी शामिल है।

इस यूनिट में सामग्री को पुनः प्रस्तुत करने की अनुमति के लिए निम्न स्रोतों का कृतज्ञतापूर्ण आभार:

चित्र 1: http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/ के अधीन Flickr में उपलब्ध विभिन्न तस्वीरें। (Figure 1: various images made available in Flickr under http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/.)

चित्र 2: [Figure 2:] https://creativecommons.org/licenses/by-sa/2.0/deed.en_GB के अधीन Flickr में उपलब्ध © Peter Grima.(© Peter Grima in Flickr made available under https://creativecommons.org/licenses/by-sa/2.0/deed.en_GB.)

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत भर के उन अध्यापक शिक्षकों, मुख्याध्यापकों, अध्यापकों और छात्रों के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।